आई0आई0ए0 द्वारा प्रदेश की राजधानी में आयोजित त्रिदिवसीय सौर ऊर्जा प्रदर्शनी नार्थ इण्डिया सोलर समिट "NISS-2015" का माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने किया उद्घाटन

उत्तर भारत में सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमियों को सौर ऊर्जा के उपयोग लाभ एवं "Roof Top Solar Policy" के प्रति जागरूक कराने के उद्देश्य से दूसरी बार "North India Solar Summit - 2015" का आयोजन किया गया। इस आयोजन के लिए आई.आई.ए. ने अपने Knowledge Partner मुम्बई की Startling Solar Pvt. Ltd. के साथ हाथ मिलाया।

24 से 26 अप्रैल 2015 तक North India Solar Summit - 2015 का विशाल कार्यक्रम आई.आई.ए. भवन विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित किया गया जिसमें Uttar Pradesh New & Renewable Energy Development Agency UPNEDA सह–आयोजक था।

इस समिट का मुख्य उद्देश्यः–

1. सौर ऊर्जा में निहित व्यापार के अवसरों को उजागर करना और उसके प्रयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डालना
2- Roof Top Solar Power Plant स्थापित करने के लिए निवेशकों को जानकारियां उपलब्ध कराना एवं उनको सम्बन्धित देश/विदेश की कम्पनियों के साथ मिलवाना
3- Solar Power Generation और उपयोग में प्रयुक्त होने वाले उपकरणों एवं सामग्री के निमार्ण सम्बन्धी उत्पादन इकाईयां स्थापित करने के लिए इच्छुक उद्यमियों को जानकारियां उपलब्ध कराना

सौर ऊर्जा की महत्ता एवं इसकी संभावनाओं को देखते हुए देश एवं विदेश की 33 सौर ऊर्जा कम्पनियों ने अपने उत्पाद एवं सेवाओं को प्रर्दशित किया। इन 33 कम्पनियों में देश में कार्यरत 15 सबसे बड़ी कम्पनियों में से 11 कम्पनियों ने भी प्रदर्शनी में अपने स्टाल लगाए। इन कम्पनियों के नाम निम्नलिखित हैंः–

Startling Solar Pvt. Ltd., Aliter Group, Deity Fuel Energy Pvt. Ltd., Urja Enertech, Navitas Solar, Goldi Green Technologies, Surana Group, Granzor Engineerings Pvt Ltd., Su-KAM Power Systems Ltd., Jaiswal Batteries, Sonali Solar Pvt Ltd, Neo Sol Technologies, Trade India, Solar Quarter, Indygreen Teachnologies Pvt. Ltd., LUBI Electronics, Apexgreen Energy Pvt Ltd, KMA Publication, Jakson Solar, Anu Solar Power Pvt Ltd, Shrijan Industries, Waaree Industries, Rolta Power pvt ltd, Enertech UPS, Gautam Solar Pvt Ltd, Sunray Solar Pvt Ltd, Luminous India, Sparco Batteries

इसके अतिरिक्त Additional Source of Energy Govt. of U.P., ZDH-Sequa, SIDBI, UPNEDA का भी इस आयोजन में पूर्ण सहयोग रहा। 24 अप्रैल 2015 को इस तीन दिवसीय सोलर समिट सम्मेलन का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री, श्री अखिलेश यादव उ0प्र0 सरकार के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम उन्होंनें रिबन काटकर Solar Summit - 2015 का विधिवत प्रारम्भ किया तथा summit में लगे सभी Exhibitors के स्टालों में प्रर्दशित उत्पाद एवं सेवाओं का अवलोकन किया।

स्वागत सम्बोधन

आई0आई0ए0 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीष गोयल

इस उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री मनीष गोयल ने सबका स्वागत करते हुए कहा कि, "प्रदेश में उद्योगों के उत्थान के प्रति कितने सजग एवं चिंतित है इसका प्रमाण यह है कि विगत कुछ मीनों में ही आई0आई0ए0 के आयोजनों में दूसरी बार आकर हमारा उत्साह बढ़ाया है। MSME Minister श्री भगवत शरण गंगवार जी तो हमारे MSME परिवार के मुखिया है। मुखिया होने के नाते वह अपने

दायित्वों का निर्वाहन पूरी निष्ठा के साथ करते हैं और परिवार के किसी सदस्य का कोई काम करने से पीछे नहीं हटते। हमारी कोई कमी होती है तो वह भी हमें बार–बार याद दिलाते हैं। हमारे मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन जी के जीवन से हमने बहुत कुछ सीखा है। आपका मृदुल स्वभाव चिरपरिचित हंसमुख चेहरा कभी भी मिलने से इन्कार न करना सदैव मिलना चाहे कैसी भी परिस्थितियां हो हमको आपका कायल बना देता है।

एडिशनल सोर्सेस ऑफ एर्नर्जी विभाग, उत्तर प्रदेश के सचिव श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा जी के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ है। उ0प्र0 में इतनी तेज गति से काम करने वाले अधिकारियों की आवश्यकता है।

अंत में श्री मनीष गोयल जी ने कहा कि, माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व ने उ0प्र0 को विकास की गति प्रदान की है चाहे वो लखनऊ में मेट्रो रेल के रूप में हो चाहे आगरा लखनऊ एक्सप्रेस हाई वे के रूप में हो और चाहे गोमती की सफाई हो और अभी आपने Noida और Gr. Noida में 3000 करोड़ के कामों का शिलान्यास व 1000 करोड़ का लोकार्पण किया हो, अगर आप MSME सेक्टर को भी उसी तीव्र गति से विकास की गति प्रदान कर दे तो, MSME सेक्टर भी आपके साथ जुड़ जायेगा। हम छोटे जरूर है, पर हमारी संख्या किसानों के बाद सबसे ज्यादा रोजगार देने वालों में से है और हमारी संख्या उ0प्र0 में 32 लाख MSME है। अतः आपसे निवेदन है कि आप माह में केवल एक बार आधा घंटा हम लोगों को अवश्य दे ताकि हमारी समस्याओं का निराकरण हो सके।''

अध्यक्षीय सम्बोधन

NISS के उद्घाटन समारोह में अध्यक्ष आई.आई.ए. प्रमोद मिगलानी ने कहा कि ''यह मेरा सौभाग्य है कि उत्तर भारत के सबसे बड़े ''सोलर समिट'' के उद्घाटन समारोह में लगातार दूसरे वर्ष मैं आपसे मुखातिब हूँ। जब सरकार और औद्योगिक संगठन एकजुट होकर एक दिशा में काम करते हैं तो उसका फल यही होता है जिसे आज हम इस प्रांगण में देख रहे हैं। मार्च 2014 में जब प्रथम बार ''नार्थ इण्डिया सोलर समिट'' को इसी प्रांगण में आयोजित किया गया था तब आई0आई0ए0 द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार से प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए ''रूफ टाप सौर ऊर्जा पालिसी'' घोषित करने का आग्रह किया था तथा इसके साथ–साथ सौर ऊर्जा के उपयोग में नेट मीटरिंग व्यवस्था लागू करने का भी आग्रह किया था। मुझे तथा प्रदेशवासियों को इस पर हर्ष एवं गर्व है कि प्रदेश सरकार ने न केवल हमारे आग्रह को स्वीकार किया परन्तु सौर ऊर्जा के उत्पादन एवं उपयोग के लिए कारगर कदम भी उठाए हैं। जिसके अन्तर्गत Roof Top Solar Policy एवं रेगुलेशन जारी हो चुकें है जिसमें नेट मीटरिंग का विशेष प्रावधान है।

उत्तर प्रदेश में सोलर पावर पैदा करने की क्षमता, यहां सूर्य के प्रकाश की उपलब्धता को देखते हुए अपार है। अतः यह आवश्यक है कि हम इस दिशा में और तेजी से कार्य करें। मेरी जानकारी के अनुसार हमारे प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री स्वयं Non Conventional Energy के ज्ञाता है और आपकी इसमें विशेष रूचि है। अतः मेरा माननीय मुख्यमंत्री से आग्रह है कि प्रदेश में सोलर पावर की Capacity को तेजी से बढ़ाने के कार्य को Top Priorities में रखने की कृपा करें। नवीन और नवीकरण ऊर्जा मंत्रालय के अनुमानों के अनुसार उत्तर प्रदेश में 22830 Mega Watt Solar Power Generate करने की संभावनाएं हैं। इसलिए न केवल सोलर पावर के उत्पादन में कार्य करने की आवश्यकता है अपितु इस सेक्टर से सम्बन्धित Manufacturing को भी बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

इसके लिए माननीय मुख्यमंत्री जी निम्नलिखित कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करना आवश्यक है:–

1. **सोलर उपकरणों तथा सामग्री इत्यादि पर वैट से छूट प्रदान करना:-** देश के अन्य कई प्रदेशों में यह छूट उपलब्ध है जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, आसाम एवं जम्मू और कश्मीर इत्यादि। इससे सोलर उपकरण एवं सामग्री बनाने वाली फैक्ट्रीयां भी प्रदेश में स्थापित हो सकेंगी।
2. **रूफ टॉप सोलर पावर सिस्टम लगाने पर उतनी ही कैपेसिटी की ग्रिड पावर कनैक्शन में फिक्सड चार्जेज/डिमान्ड चार्जेज से राहत:–** इससे रूफ टॉप सोलर पावर प्लॉट लगाने में लगने वाली प्रारम्भिक अधिक पूँजी के भार में राहत मिलेगी और अधिक से अधिक लोग उत्साहित होगे। यह प्रस्ताव व्यवहारिक भी है क्योकि गिड पावर से कनेक्टिड लोड पर उतना भार कम होगा।

मुझे आप सभी को बताते हुए खुशी है कि देश एवं विदेश की 33 सबसे बड़ी सोलर कम्पनियां इस नार्थ इण्डिया सोलर समिट में भाग ले रहीं हैं। ये सभी कम्पनियां उत्तर भारत और खास तौर पर उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा की अपार सम्भावनाओं पर कार्य करने के लिए तत्पर है। मुझे आशा है कि न केवल उत्तर

प्रदेश सरकार अपितु उत्तर प्रदेश में सभी वर्गों के लोग इन कम्पनियों की यहां पर उपस्थिती का लाभ अवश्य उठाएंगें।

माननीय मुख्यमंत्री जी आप 20 सितंबर 2014 को आई0आई0ए0 द्वारा आयोजित उद्यमी महासम्मेलन में पधारे थे जिसमें हमने आपके समक्ष उत्तर प्रदेश के उद्यमियों की अनेक समस्याएं एवं सुझाव प्रस्तुत किए थे। इन समस्याओं एवं सुझावों पर विभिन्न विभागों में कार्य हो रहा है जिसमें सबसे तीव्र गति से वाणिज्य कर विभाग में कार्य हो रहे हैं। आज इस अवसर पर मैं आपको उतनी बड़ी किताब से परेशान नहीं करूंगा परन्तु निम्नलिखित अति महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर आपका ध्यान अवश्य आकर्शित करना चाहता हूँ:–

1. देश में आजादी के समय से ही उत्तर प्रदेश में D.I. Rate Contract व्यवस्था लागू थी जिसे बहुजन समाजवादी पार्टी की सरकार ने कुछ गलत सूचनाओं के आधार पर 2011 में समाप्त कर दिया था। आई0आई0ए0 ने प्रदेश के सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों के हित में इस निर्णय को बदलने के लिए आपकी सरकार से आग्रह किया है। हमारे MSME विभाग के माननीय मंत्री जी भी हमारे तर्कों से सहमत हैं। अत: निवेदन है कि D.I. rate Contract System को अतिशीघ्र लागू कर दिया जाए अन्यथा भारी संख्या में लघु उद्योग प्रदेश में बन्द हो जाएंगें।
2. आपने उत्तर प्रदेश में सरकार बनने से पहले जो इलैक्शन मेनिफेस्टो जारी किया था उससे प्रदेश के सुक्ष्म एवं लघु उद्यमी अति उत्साहित थे क्योंकि प्रदेश में पहली बार किसी राजनैतिक पार्टी ने अपने मेनिफेस्टों में इस महत्वपूर्ण सेक्टर को प्राथमिकता दी थी। इसमें एक महत्वपूर्ण घोषणा पर अमल होना अभी बाकी है और वह है "लीज होल्ड औद्योगिक भूमि को फ्री होल्ड करना"। निवेदन है कि इस घोषणा का क्रियान्वयन शीघ्रताशीघ्र कराने के कृपा करें।
3. उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार देश में सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों की महत्ता को बखूबी समझती है। देश एवं प्रदेश की एक तिहाई से अधिक जनसंख्या इस सेक्टर पर निर्भर है तथा यह सेक्टर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने समय–समय पर सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए परचेज एवं प्राइस वरियता पॉलिसी घोषित की है लेकिन कुछ विभाग इसका अनुपालन नहीं कर रहे हैं और सुक्ष्म एवं लघु उद्योगों को प्रतिस्पर्धा से बाहर रखने के लिए तरह तरह की restrictive conditions टेंडरों में लगा देते हैं। निवेदन है कि सरकार की इस पॉलिसी एवं निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।
4. एक समस्या सरकारी खरीद में Rates की सभी करों सहित गणना करने की है। इससे उत्तर प्रदेश में निर्मित माल दूसरे प्रान्तों से आयातित माल के मुकाबले प्रतिस्पर्धा से बाहर हो जाता है क्योंकि बाहर से आयातित माल पर केवल 2% CST लगता है जबकि प्रदेश में निर्मित माल पर अधिकतम 14% वैट एवं सरचार्ज लगता है। इससे जहां एक ओर प्रदेश में उद्योग नहीं पनप रहे हैं वहीं प्रदेश सरकार को भी टैक्स रेवन्यु प्राप्त नहीं हो पा रहा है। आई0आई0ए0 द्वारा यह समस्या प्रदेश सरकार के वाणिज्य कर विभाग को प्रस्तुत की गई थी जिसके फलस्वरूप UPPCL द्वारा ट्रांसाफामरों की खरीद में तो करों के अतिरिक्त Rate Compare किये जाने के आदेश जारी है परन्तु सरकार के विभिन्न विभागों अथवा उपक्रमों में अन्य सामान की खरीद पर यह नियम अभी तक लागू नहीं हो पाया है। निवेदन है कि ट्रांसफारमरों की खरीद की तरह ही प्रदेश के सभी विभागों और उपक्रमों में सामान

की खरीद पर मूल्यों की तुलना करों के अतिरिक्त कराने के आदेश शीघ्रताशीघ्र कराने की कृपा करें।

5 उत्तर प्रदेश में अधिकांश उद्यमी इमानदारी से टैक्स अदा कर प्रदेश की प्रगति में योगदान करना चाहते हैं। परन्तु कभी–कभी इमानदार उद्यमी तकनीकि कारणों से अत्यन्त कठिन परिस्थितियों में फंस जाते हैं। इसका एक ज्वलन्त उदाहरण Wire Rod से Wire बनाने वाले उद्यमियों का है। वर्ष 2007 में आयुक्त ट्रेड टैक्स उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक सर्कुलर जारी किया था जिसमें टैक्स पेड वायर राड से निर्मित वायर पर टैक्स की प्रभारयता समाप्त कर दी गई थी। अतः वायर बनाने वाली इकाईयों ने बिक्री पर टैक्स नहीं लगाया। परन्तु वर्ष 2011 में माननीय उच्च न्यायलय के एक निर्णय का संदर्भ लेते हुए ज्वाईटं कमिशनर वाणिज्य कर द्वारा एक अन्य सर्कुलर निकाला जिसमें ट्रेड टैक्स की प्रभारयता Retrospectively लागू कर दी गई। अतः जिन उद्यमियों ने सरकार के पूर्व निर्णयानुसार वर्ष 2007 से बिक्री पर टैक्स चार्ज नहीं किया था उनको टैक्स अदा करने के नोटिस जारी किये गये हैं। अब समस्या यह है कि यदि सरकार के ही निर्णयानुसार टैक्स Realise ही नहीं किया है तो ये उद्यमी टैक्स कहा से अदा करेंगें। टैक्स की गणना इतनी अधिक है कि उद्यमी अपना युनिट बेच कर ही इसे अदा कर सकते हैं। आई0आई0ए0 द्वारा यह समस्या वाणिज्य कर विभाग को लगभग दो वर्ष पूर्व प्रेषित की थी तथा अनेक बार इस पर वर्ताएं एवं बैठके भी आयोजित हो चुकी है। परन्तु आज तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। अतः माननीय मुख्यमन्त्री जी से निवेदन है कि इस व्यवहारिक समस्या का निदान करवाने की कृपा करें।

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016–17 तक औद्योगिक वातावरण में वांछित वदलाव लाने हेतु आई0आई0ए0 प्रदेश सरकार का सहयोग के लिये तैयार है और सरकार के ऑख एवं कान की तरह फिड–बैक/ सुझाव दे सकता है। इसके लिये ईज ऑफ डूईगं बिजनेश, इम्पलिमेन्टेशन ऑफ पॉलिसी एवं त्वरित डिसिजन मेकिंग पर चर्चा के लिये मुख्यसचिव महोदय से माह में एक बार आई0आई0ए0 प्रतिनिधियो की बैठक करना आवश्यक होगा। हम आपको विश्वास दिलाते है कि आई0आई0ए0 सरकार को सरकार हित एवं उद्योग हित में सही एवं सटीक सूचनॉए एवं सुझाव प्रदान करेगा।

प्रदेश में उद्योगों के उत्थान से सम्बन्धित अन्य भी अनेक बाते हम आपसे करना चाहते हैं परन्तु समय के आभाव एवं सीमा को देखते हुए अन्त मे मैं आपसे यही आग्रह करूँगा कि महीने में एक बार आई0आई0ए0 प्रतिनिधियों को अधिक नहीं तो केवल 1 घण्टे के लिए आपसे मिलने का समय निर्धारित करने की कृपा करें। प्रदेश के उद्योगों का सबसे बड़ा औद्योगिक संगठन होने के नाते इस सम्वाद से न केवल हम आपसे महत्वपूर्ण सूचनाएं share कर पायेंगें अपितु आपके बहुमूल्य विचारों का भी प्रदेश के उद्योगों के उत्थान के लिए उपयोग कर सकेंगें।''

मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''ऊर्जा क्षेत्र प्रदेश सरकार की प्राथमिकता का क्षेत्र है। वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में भी तेजी से काम हो रहा है। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में राज्य सरकार के काम के लिए भारत सरकार द्वारा प्रदेश सरकार को पुरस्कृत भी किया गया है।''

लघु उद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भगवत शरण गंगवार ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री ने ''नार्थ इण्डिया सोलर समिट-2015'' का शुभारम्भ किया

सौर ऊर्जा उपकरण प्रदेश में वैट मुक्त
NORTH INDIA SOLAR SUMMIT में मुख्यमंत्री ने किया ऐलान

''मेक इन इण्डिया'' अभियान की सफलता ''मेक इन यूपी'' की बड़ी भूमिका के बगैर संभव नहीं

माननीय मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन द्वारा यू0पी0 नेडा के सहयोग से आयोजित ''North India Solar Summit - 2015'' के शुभारम्भ पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ''उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा के संयंत्रों पर वैट पूरी तरह से खत्म कर दिया गया है। सौर ऊर्जा उपकरणों को वैट मुक्त करने की उद्यमियों की मांग को सहर्ष स्वीकार करता हूँ। अभी तक सौर ऊर्जा के संयंत्रों पर 5% वैट लगता था अब उसे खत्म किया जाता है। हमारे प्रदेश के गांव में सोलर एनर्जी का बहुत प्रयोग हो रहा है। सोलर एनर्जी का और बेहतर तरीके से प्रयोग हो इसी कारण वैट साप्त करने से इसके संयंत्र थोड़ा सस्ते होंगें।

प्रदेश में एक गांव की बिजली की जरूरत को सौर ऊर्जा से पूरा किया जा रहा है, जल्द ही एक और गांव को ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाने के लिए कार्य शुरू होगा। माहौल और सुविधाएं मिलने पर राज्य के उद्यमी भी प्रदेश को विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करा सकते हैं। जर्मनी और जापान जैसे देशों ने मध्यम, लघु और कुटीर उद्योगों की बुनियाद पर तरक्की की है। उ0प्र0 एक बड़ा और सम्भावनाओं वाला प्रदेश है। इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन को प्रदेश सरकार के सहयोग का भरोसा दिलाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास में आई.आई.ए. की बड़ी भूमिका है। अनेक देशों में सौर ऊर्जा का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। राज्य सरकार ने भी ऊर्जा के इस वैकल्पिक स्त्रोत के उपयोग की पहल की है। इसके लिए रूफटॉप सोलर फोटोवोल्टेक पावर प्लांट नीति लागू की गई है। सोलर पावर प्लांट और सोलर पार्क बनवाने के लिए राज्य सरकार काम कर रही है।''

इण्डियन इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन (आई0आई0ए0) गोमतीनगर, आई0आई0ए0 भवन, गोमतीनगर, लखनऊ स्थित कार्यालय का विस्तारीकरण फेज-1 का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 श्री अखिलेश यादव के कर कमलों द्वारा 24 अप्रैल 2015 को सम्पन्न हुआ।

धन्यवाद प्रस्ताव

आई0आई0ए0 महासचिव, नीरज सिंघल

अधिकतम विभागों में आपके कुशल नेतृत्व के कारण कार्य संस्कृति में बहुत सुधार हुआ है।

इस अवसर पर श्री भगवत शरण गंगवार, राज्यमंत्री, (स्वतंत्र प्रभार) सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग एवं निर्यात प्रोत्साहन उत्तर प्रदेश सरकार, राजनैतिक पेंशन मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी, श्री आलोक रंजन, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री संजय अग्रवाल, प्रमुख सचिव ऊर्जा एवं अध्यक्ष यू.पी.पी.सी.एल., श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा, सचिव अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत, डा0 काजल, निदेशक, यू.पी. नेडा एवं श्री अनुज निगम, निदेशक, श्री अरूणाँचलम कार्तिकेयन, प्रोजेक्टर डायरेक्टर, जे.डी.एच./सिक्वा, स्टार्टलिंग सोलर एवं अन्य अधिकारीगण, आई.आई.ए. के अध्यक्ष श्री प्रमोद मिगलानी व सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के अंत में महासचिव नीरज सिंघल ने आई0आई0ए0 की तरफ से सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और माननीय मुख्यमंत्री जी को सम्बोधित करते हुए कहा कि, ''आपने आई.आई.ए. द्वारा आयोजित प्रथम उद्यमी महासम्मेलन में सरकारी काम–काज में सुस्ती का जिक्र किया था। आज 2 साल बाद हम आपको बताना चाहते हैं कि

श्री रामजी सुनेजा एवं श्री जी. सी. चर्तुवेदी, पूर्व अध्यक्ष
माननीय राज्यमंत्री श्री भगवत श्रण गंगवार को मोमेंटो प्रस्तुत करते हुए

श्री सुरेश सुन्दरानी, श्री ललित कपूर एवं श्री प्रशांत भाटिया
राजनैतिक पेंशन मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी को मोमेंटो प्रस्तुत करते हुए

श्री संजय कौल एवं श्री तरूण खेत्रपाल पूर्व अध्यक्ष मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन को मोमेंटो प्रस्तुत करते हुए

श्री अशोक गांधी, सचिव अतिरिक्त ऊर्जा स्त्रोत श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा
को मोमेंटो प्रस्तुत करते हुए

Surana Group

HEMICAL EARTHING

SABO SYS
SABO SYSTEMS PVT

नार्थ इण्डिया सोलर समिट 2015 के दौरान आई0आई0ए0 द्वारा "Roof Top Solar Policy & Relgulations" पर हुआ सेमीनार

नार्थ इण्डिया सोलर समिट – 2015 के दूसरे दिन सौर प्रर्दशनी के साथ–साथ महत्वपूर्ण सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य "रूफ टॉप सोलर पालिसी एवं उसकी रेग्यूलेशन" के प्रति जागरूक कराना था।

सोलर समिट के दूसरे दिन मुख्य अतिथि श्री डी.डी.वर्मा चेयरमैन यूपीईआरसी ने रूफ टॉप सोलर पालिसी पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन 25 अप्रैल 2015 को आई.आई.ए. में किया।

इस अवसर पर प्रमोद मिगलानी, अध्यक्ष आई0आई0ए0 ने कहा कि "यह आई0आई0ए0, यू0पी0नेडा एवं हमारे नॉलेज पार्टनर स्टार्टलिंग सोलर का दूसरा प्रयास है जब हम नार्थ इण्डिया सोलर समिट का आयोजन लगातार दूसरे वर्ष भी कर रहे हैं। इस आयोजन का एक मुख्य कार्यक्रम सौर ऊर्जा पर सेमिनार एवं कार्यशाला का आयोजन भी होता है।

मुझे खुशी है कि विगत वर्ष में भी इस सेमीनार का उद्घाटन आदरणीय श्री डी0डी0 वर्मा, अध्यक्ष UPERC के कर कमलों द्वारा हुआ था और आज भी हमें यह सौभाग्य मिला है कि आप आज के सेमीनार में भी हमारे मुख्य अतिथी के रूप में उपस्थित हैं। इस समय UPERC के अध्यक्ष के रूप में भी आप बिजली के क्षेत्र में जो Regulations बना हरे हैं उससे सभी वर्ग संतुष्ट है। ऐसे महापुरूष का आज के इस सेमिनार में तहेदिल से स्वागत करता हूँ।

श्री पार्थ सारथी सेन शर्मा जी से हमारा संपर्क अभी कुछ समय पहले से ही है परन्तु इस अल्प समय में ही आपने न केवल आई0आई0ए0 पदाधिकारीयों अपितु संपूर्ण उद्यमियों के दिलों एवं दिमाग में जो छाप छोड़ी है उससे प्रशासनिक व्यवस्था के प्रति जो थोड़ी बहुत निराशा पनप रही थी उसमें आपकी कार्यशैली एवं व्यवहारिकता से बहुत कमी आई है। हम आशा करते हैं कि आपके आगे आने वाले लम्बें प्रशासनिक समय में उद्योगों को आपका इसी प्रकार का सानिध्य प्राप्त होता रहेगा। मैं आपका भी तहेदिल से स्वागत करता हूँ।

डा0 काजल डायरेक्टर नेडा से भी हमारा अल्प समय का ही परिचय रहा है परन्तु इस अल्प समय में ही UPNEDA ने Co-organizer के रूप में जो साथ दिया है और जिस तीव्रता से कार्य किया है वह आपकी प्रशासनिक योग्यता एवं क्षमता का ही परिचायक है। मैं डा0 काजल का भी स्वागत करता हूँ। इसके अतिरिक्त आज के सेमिनार में हमारे बीच श्री संजय श्रीवास्तव डायरेक्टर UPERC, श्री अशोक एवं श्री मित्तल सिडबी भी मुख्य वक्ताओं के रूप में उपस्थित हैं मैं आपका भी स्वागत करता हूँ।

श्री अनुज निगम डायरेक्टर स्टार्टलिंग सोलर जो हमारे इस आयोजन के Knowledge Partner भी है और आपको आज के कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं रूपरेखा से अवगत करायेंगे मैं उनका भी स्वागत करता हूँ।

श्री अरूनांचलम कार्तिकेन Chief Director ZDH-SEQUA जर्मनी जो हमारे बीच उपस्थित है मैं उनका भी बहुमुल्य समय हमें देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

श्री संतोष लालवानी जो आई0आई0ए0 के सोलर वर्किंग ग्रुप के चेयरमैन है और आपको इस सेमीनार में सम्बोधित करेंगें उनका भी स्वागत है।

इसके साथ–साथ सेमीनार में पधारे प्रदेश सरकार नेडा एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण, प्रतिभागियों, मीडिया बन्धुओं व आई0आई0ए0 के सभी पदाधिकारीगण एवं सम्मानित सदस्यों व सेमीनार में उपस्थित सभी बन्धुओं का भी मैं स्वागत करता हूँ और आशा करता हूँ कि यह सेमिनार आप सभी के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।"

इसके तत्पश्चात डायरेक्टर यू.पी. नेडा डा0 काजल ने यू.पी. नेडा रूफ टॉप सोलर पॉलिसी इन्सेन्टिव्स एण्ड सर्पोट, के बारे में प्रस्तुतिकरण दिया।

यू.पी.ई.आर.सी. से आये हुए श्री संजय श्रीवास्तव ने रूफ टॉप पीवी ग्रिड इंटरैक्टिव सिस्टम ग्रौस/नेट मीटरिंग, 2015 अथवा आर.एस.पी.वी. रेग्युलेशन्स 2015 के बारे में सभी उद्यमियों को जागरूक कराया।

Continue to page.....18